THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DLVELOPMENT (AUDYOGIK VIKAS MANTRALAYA MEN UP-MANTRI) (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD) : (a) Sales have been showing a rising trend.

(b) No, Sir

(c) Yes, Sir

(d) Yes, Sir

छोटी रेलवे (लाइट रेलवे) को बन्द करना

169. **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** क्या **रेल मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गत वर्षों में किन स्थानों पर छोटी रेलवे लाइनों को बन्द किया गया है,

(ख) इन लाइनों को बन्द कर देने के परिणामस्वरूप कितने व्यक्ति बेरोजगार हो गये हैं, और

(ग) कितने व्यक्तियों को दूसरा रोजगार दिया गया है और शेष व्यक्तियों को कब तक रोजगार दिया जायगा ?

रेल मंत्री (श्री हनुमन्तैया) : (क) उत्तर प्रदेश राज्य में शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे 1-9-70 से मालिक एवं संचालक कम्पनी द्वारा बन्द कर दी गयी है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल में हवड़ा-आम्ता और हवड़ा-शेखाला लाइट रेलें भी 1-1-1971 से मालिक तथा संचालक कम्पनियों द्वारा बन्द कर दी गयी हैं।

(ख) इन रेलों को बन्द किये जाने के परिणामस्वरूप शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे पर 1173, हवड़ा-आम्ता और हवड़ा-शेखाला दोनों लाइट रेलों पर कुल मिलाकर 1357 और कलकत्ता स्थित इन रेलों के मुख्यालयों के 219 कर्मचारी बेरोजगार हो गये हैं।

(ग) शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे के 1013 भूतपूर्व कर्मचारियों को उत्तर रेल प्रशासन द्वारा जांच-परीक्षा के लिए बुलाया गया था ताकि यह निश्चय किया जाये कि उन्हें सरकारी रेलों के किन कामों पर लगाया जा सकता है। इस जांच-परीक्षा के लिए वास्तव में केवल 816 कर्मचारी उपस्थित हुए। जिन कर्मचारियों की इस प्रकार जांच-परीक्षा ली गयी थी उनमें से 124 को पहले ही नियुक्त किया जा चुका है। शेष कर्मचारियों की नियुक्ति के सम्बन्ध में कार्रवाई की जा रही है। हावड़ा-आम्ता और हवड़ा-शेखाला लाइट रेलों के कर्मचारियों को पूर्व और दक्षिण-पूर्व रेलों पर नौकरी की पेशकश की जानी थी। पूर्व तथा दक्षिण पूर्व रेलों के कर्मचारी संघों द्वारा इस का जोरदार विरोध किया गया जिस के कारण उनकी नियुक्ति कर पाना सम्भव नहीं हो सका। इस स्थिति का विश्लेषण किया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन कर्मचारियों को सरकारी रेलों पर किस तरह शीघ्र नौकरी दी जा सकती है।

अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश में विद्युतीकरण प्रतिशतता का कम होना

170. **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** क्या **सिंचाई और विद्युत मंत्री** यह बताने की करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में भारी जनसंख्या तथा विशाल क्षेत्रफल होते हुए भी वहां देश के अन्य राज्यों की तुलना में विद्युतीकरण से लाभान्वित हुई जनसंख्या तथा क्षेत्रफल की प्रतिशतता बहुत कम है ;

(ख) यदि हां, तो इसका जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में बहने वाली नदियों के जल

का उपयोग करते हुए ऐसी पन-बिजली योजनाएं आरम्भ करने का है जिन से उत्तर प्रदेश तथा अन्य पड़ौसी राज्यो को सिंचाई तथा विद्युत् सप्लाई की सुविधाए जुटाई जा सकें ; और

(घ) यदि हा, तो ऐसी परियोजनाओ का ब्यौरा क्या है तथा उसके परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश तथा इसके पडौसी राज्यो के औद्योगीकरण मे कितनी प्रगति होने की सभावना है तथा उससे कितने व्यक्तियो को रोजगार मिल जाने की आशा है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय मे उपमंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) . (क) जी, हां ।

(ख) अपेक्षित सूचना विवरण मे दी गई है जो सभा पटल पर रख दिया गया है । [ग्रन्थालय मे रखा गया । देखिये संख्या LT-171/71]

(ग) और (घ) जलविद्युत् परियोजनाए सामान्यत. राज्य प्राधिकरणो द्वारा हाथ मे ली जाएगी ।

उत्तर प्रदेश में नई रेलवे लाइनें

171 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) उत्तर प्रदेश के उन स्थानो के क्या नाम है जहा सरकार का विचार वर्ष 1971-72 के दौरान बडी तथा मीटर-गेज लाइनें बिछाने का है;

(ख) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रो मे कुछ नई रेलवे लाइने बिछाने का है ,

(ग) यदि हा, तो उन सीमावर्ती क्षेत्रो के क्या नाम हैं; और

(घ) यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

रेल मत्री (श्री हनुमन्तैया) (क) से (घ) . रेलवे विकास पर विचार किसी राज्यवार या क्षेत्रवार धारणाओ के अनुसार नही बल्कि राष्ट्रीय हित मे समग्र विकास की दृष्टि से किया जाता है । चौथी योजना मे नयी लाइनो के निर्माण के लिए बहुत सीमित निधि है और विकास/प्रतिरक्षा के लिए सर्वोच्च अग्रता की दृष्टि से औचित्य होने पर केवल बहुत थोडी लाइनो का निर्माण चौथी योजना की अवधि मे शुरू किया जायगा । अभी तक चौथी योजना मे बनायी जाने वाली नयी लाइनो के प्रस्तावो को अन्तिम रूप नही दिया गया है । यह कहना असामयिक होगा कि उत्तर प्रदेश (सीमावर्ती क्षेत्र या अन्यथा) मे पूरा या आंशिक रूप से पडने वाली किसी लाइन का निर्माण 1971-72 या चौथी योजना मे शुरू किया जायगा या नही ।

मुरादाबाद से काठगोदाम की बड़ी रेलवे लाइन

172 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश मे मुरादाबाद से लेकर काठगोदाम तक एक नई बडी रेलवे लाइन का निर्माण करने का है,

(ख) यदि हाँ, तो यह कार्य किस तारीख से हाथ मे लिया जायेगा, और

(ग) यदि नही, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री हनुमन्तैया) (क) जी नही ।

(ख) सवाल नही उठाता ।

(ग) मुरादाबाद-बरेली बड़ी लाइन खण्ड के एक स्टेशन रामपुर से काठगोदाम के निकट